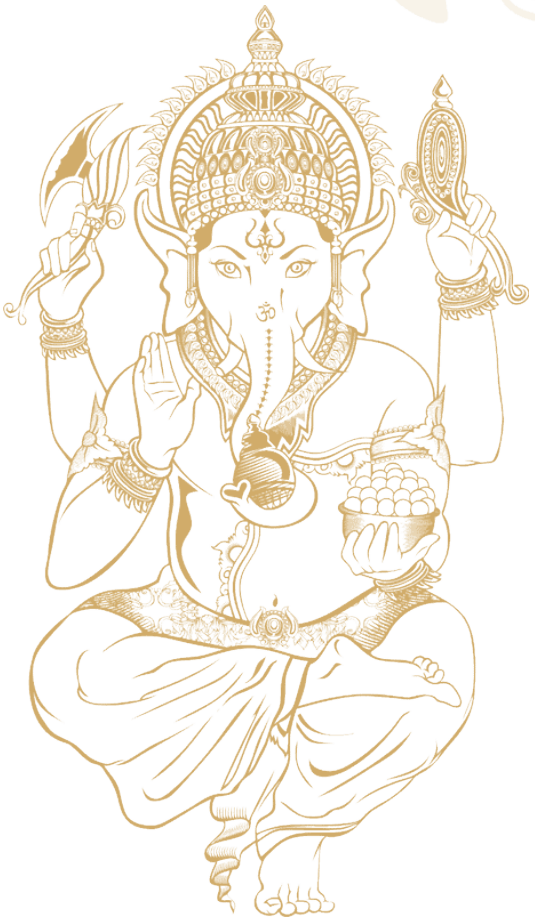

?????? ????????

09 Jul 1997

02:45 AM

Mirzapur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121833603

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**8-09/07/1997**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**02:45:00 घंटे**
इष्ट	53:42:34 घटी
स्थान	**Mirzapur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	25:09:00 उत्तर
रेखांश	82:34:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:00:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:45:16 घंटे
वेलान्तर	-00:05:01 घंटे
साम्पातिक काल	21:52:42 घंटे
सूर्योदय	05:15:58 घंटे
सूर्यास्त	18:53:21 घंटे
दिनमान	13:37:23 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	22:54:13 मिथुन
लग्न के अंश	16:54:20 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 3**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	सिद्धि
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मू-मुकेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	16:54:20	364:32:07	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	शनि	---
सूर्य			मिथु	22:54:13	00:57:13	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	सम राशि
चंद्र			सिंह	09:05:26	11:51:14	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	मित्र राशि
मंगल			कन्या	15:28:32	00:30:50	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
बुध			कर्क	07:25:20	01:52:51	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	केतु	शत्रु राशि
गुरु	व		मक	26:49:39	00:05:11	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	नीच राशि
शुक्र			कर्क	18:27:03	01:12:44	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	शत्रु राशि
शनि			मीन	26:03:22	00:02:24	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	सम राशि
राहु	व		सिंह	27:53:12	00:02:45	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	27:53:12	00:02:45	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	13:41:09	00:02:11	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	राहु	---
नेप	व		मक	05:04:45	00:01:35	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
प्लूटो	व		वृश्चि	09:20:10	00:01:04	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
दशम भाव			कुंभ	02:05:49	--	धनिष्ठा	--	23	शनि	मंगल	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:19

लग्न-चलित

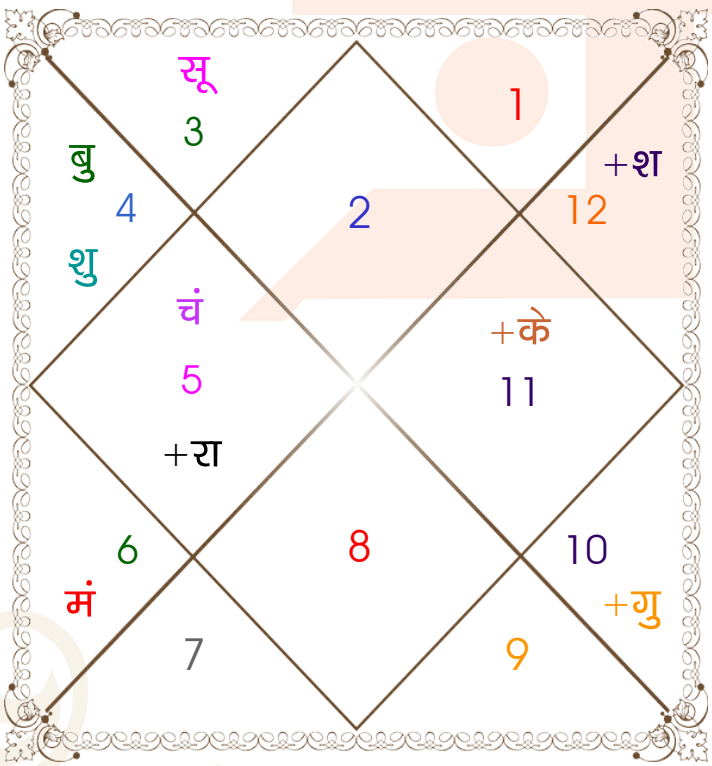

चन्द्र कुंडली

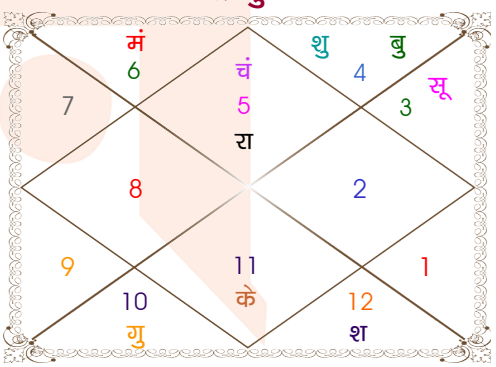

नवमांश कुंडली

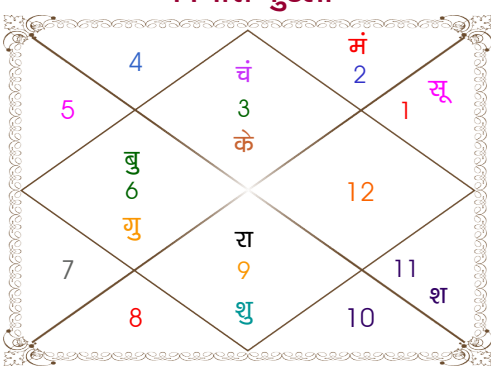

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 2 वर्ष 2 मास 22 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
09/07/1997		30/09/1999		30/09/2019		30/09/2025		30/09/2035	
30/09/1999		30/09/2019		30/09/2025		30/09/2035		30/09/2042	
	00/00/0000	शुक्र	30/01/2003	सूर्य	18/01/2020	चंद्र	31/07/2026	मंगल	26/02/2036
	00/00/0000	सूर्य	30/01/2004	चंद्र	18/07/2020	मंगल	01/03/2027	राहु	16/03/2037
	00/00/0000	चंद्र	30/09/2005	मंगल	23/11/2020	राहु	30/08/2028	गुरु	20/02/2038
	00/00/0000	मंगल	30/11/2006	राहु	18/10/2021	गुरु	30/12/2029	शनि	01/04/2039
	00/00/0000	राहु	30/11/2009	गुरु	06/08/2022	शनि	31/07/2031	बुध	28/03/2040
	09/07/1997	गुरु	31/07/2012	शनि	19/07/2023	बुध	30/12/2032	केतु	24/08/2040
गुरु	24/08/1997	शनि	30/09/2015	बुध	25/05/2024	केतु	31/07/2033	शुक्र	24/10/2041
शनि	03/10/1998	बुध	31/07/2018	केतु	29/09/2024	शुक्र	01/04/2035	सूर्य	01/03/2042
बुध	30/09/1999	केतु	30/09/2019	शुक्र	30/09/2025	सूर्य	30/09/2035	चंद्र	30/09/2042

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
30/09/2042		29/09/2060		29/09/2076		30/09/2095		30/09/2112	
29/09/2060		29/09/2076		30/09/2095		30/09/2112		00/00/0000	
राहु	12/06/2045	गुरु	18/11/2062	शनि	03/10/2079	बुध	26/02/2098	केतु	27/02/2113
गुरु	06/11/2047	शनि	31/05/2065	बुध	12/06/2082	केतु	23/02/2099	शुक्र	29/04/2114
शनि	12/09/2050	बुध	06/09/2067	केतु	22/07/2083	शुक्र	25/12/2101	सूर्य	04/09/2114
बुध	31/03/2053	केतु	12/08/2068	शुक्र	21/09/2086	सूर्य	31/10/2102	चंद्र	05/04/2115
केतु	19/04/2054	शुक्र	13/04/2071	सूर्य	03/09/2087	चंद्र	01/04/2104	मंगल	01/09/2115
शुक्र	18/04/2057	सूर्य	30/01/2072	चंद्र	03/04/2089	मंगल	29/03/2105	राहु	18/09/2116
सूर्य	13/03/2058	चंद्र	31/05/2073	मंगल	13/05/2090	राहु	16/10/2107	गुरु	10/07/2117
चंद्र	12/09/2059	मंगल	07/05/2074	राहु	19/03/2093	गुरु	21/01/2110		00/00/0000
मंगल	29/09/2060	राहु	29/09/2076	गुरु	30/09/2095	शनि	30/09/2112		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 2 वर्ष 2 मा 25 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रोहिणी नक्षत्र के तृतीय चरण में वृष लग्न के उदय काल हुआ था। जन्मकाल के समय ही मिथुन के नवमांश में कन्या द्रेष्काण भी उदित था। इस विन्दु पर जन्म के फलस्वरूप आपका जीवन सुखद, आरामदायक धन धान्य से पूर्ण आनंददायक जीवन व्यतीत होने की संभावनाओं का भी सृजन हुआ है।

आप व्यक्तिगत रूप से कठिन श्रम की भावना से समर्पित प्राणी हैं। आप अपने उद्य `श्यित कार्य को यथार्थता के साथ स्पष्ट रूप से संपादित करेंगे।

आप धन-धान्य की प्रर्याप्त प्राप्ति हेतु समझ से पूर्व नियत स्थान पर पहुंचने का निर्णय करेंगे। परंतु आप अपनी यह धारणा ग्रहण करें कि अतिरिक्त विकास एवं पूर्ण सफलता प्राप्ति हेतु अपने उद्देश्य का संपादन कर लेंगे। वास्तव में आपके लिए आकस्मिक रूप से मात्र आलस्यपूर्ण प्रवृत्ति का त्याग करना ही उत्तम होगा।

आप पहले से ही धन की महत्ता से परिचित हैं। आप कठिन श्रम एवं दुरुह रास्ते से धनोपार्जन करेंगे तथा धन के व्यय पर सतर्क भी रहेंगे। आप निश्चित रूप से बहुत उत्तम प्रकार के भौतिक सुख प्राप्ति हेतु, धनकोष का संग्रह करेंगे।

आप वित्तीय विषयक किसी भी प्रकार का दुरुपयोग सा सामंजस्य नही करेंगे।

आप अत्यंत धन संचय करने के लिए लोभ की पराकाष्ठा तक पहुंचे हुए प्राणी हैं। आप में पूर्ण विश्वसनीयता विद्यमान हैं। आप किसी का धन अनीतिपूर्ण ढंग से नही प्राप्त करना चाहते बल्कि आप धन प्राप्ति के लिए उपयुक्त सुअवसर पर ऐसा कार्यान्वयन करते हैं। क्योंकि सत्य तो यह है कि आप धन प्राप्ति संबंधी योजनाओं को सांसारिक रीति से बुद्धिमत्तापूर्वक समर्पित भाव से कार्य रूप देते हैं। साथ ही अन्य लोगों को भी धन प्राप्ति के लिए मार्ग दर्शन करते हैं।

आप किसी के साथ छेड़खानी करना या किसी पर आक्रमण करने पर विश्वास नही करते। आप एक आस्तिक प्राणी हैं। आप अपनी स्पष्ट वादिता पूर्वक संतोषजनक सफलता या, निकटता हेतु किसी को भी तरजीह देते हैं। परंतु जब कोई किसी भी समय या अवसर पर कोई शत्रुता पूर्वक आप से इर्ष्या करता है तो आप उसके प्रगति के पथ पर अवरोधक उत्पन्न करने का प्रयास करते हैं। आपका प्रदर्शन बाधा पूर्ण एवं विध्वांसात्मक रूप से व्यवधान कारक हो जाता हैं अस्तु आप अपने धैर्य को सीमा के बाहर जाने के लिए सतर्क रहें। अर्थात् अपने धैर्य का संतुलन बनाए रक्खें।

आप स्वाभाविक रूप से यांत्रिक कला में दक्ष एवं परिश्रम तथा समुचित खोजकर अपने लक्ष्य तक पहुंचने वाले प्राणी हैं। आप सामान्यतया प्रशासनिक सेवा कार्य हेतु उपयुक्त हैं। यथा होटल प्रबंधक, अथवा सौंदर्य प्रसाधित व्यवसाय आदि तथा आपकी रूचि साहित्यिक भावनानुसार हो, तों आप उच्च कोटि के लेखक भी हो सकते है यदि आप में लेखन कला एवं क्षमता विद्यमान हो। यद्यपि आप मध्यम कद के ऊंची कंधे वालें, उभरी छाती, उन्नत ललाट एवं

चमकीली आखों से युक्त सुंदर व्यक्तित्व के जीव हैं। आप से विपरीत योनि के प्राणी (स्त्री) आकर्षित रहेंगी।

आपका पारिवारिक जीवन अति आनंददायक साथ-साथ कठिन एवं कोई न कोई आर्थिक समस्याओं से सदैव युक्त रहेगा। साथ ही आपका पारिवारिक जीवन सुव्यवस्थित रहेगा। आप अपने नजदीकी और प्रियजनों को यथेष्ठ प्यार और सम्मान देंगे। आप अपने गले के रोग एवं टोनशील रोग के प्रति रक्षात्मक भावना रक्खें तथा कफ जनित तथा शीत प्रकोप से गले में होने वाले कष्ट तथा रोगों एवं पैरों की सूजन तथा दर्द की रक्षा हेतु सतर्क रहें।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

इसके अतिरिक्त आपके लिए अंक 2 तथा 8 अंक लाभदायक है। परंतु अंक 5 आपके लिए त्यागनीय है। इसी प्रकार लाल रंग भी आपके लिए प्रतिकूल है। जबकि, आपके लिए अनुकूल एवं भाग्यशाली रंग हरा, सफेद एवं गुलाबी रंग है।